श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

भगवान श्री मुनिसुव्रत नाथ (केशवरायपाटन)

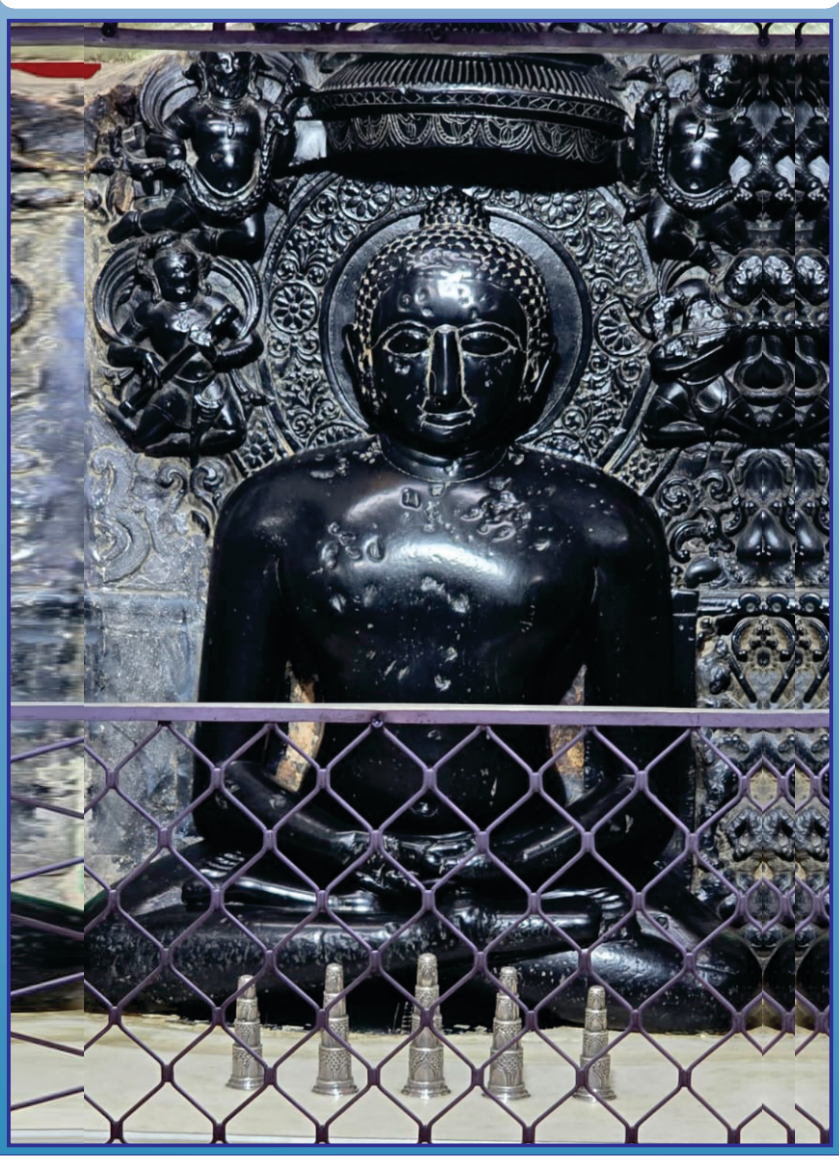

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नवीन कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

E-2 पहली मंजिल, जवाहर पार्क
हीरा स्वीट्स के पीछे विकास मार्ग
लक्ष्मीनगर, शकरपुर दिल्ली-110092
मो. 9990358901, 9810358901

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of : **Shree Digamber Jain Mahasamiti**

Account No : **10170001973962**

Branch : Bandhan Bank, Greater Kailash, Delhi-110048

IFSC Code : BDBL0001727

वर्ष 6 - अंक 2 जून-जुलाई 2024

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

राष्ट्रीय संयोजक
डॉ. रिचा जैन
मो. 9822221951

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

राष्ट्रीय महिला महामंत्री
इन्दु जैन गांधी

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 8826578600, 9999495706
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना, मो. 8668734864
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर, मो. 8619531143

संपादक (विदेश)
कुँवर पाल शाह U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुख्य कार्यालय
Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
दिल्ली-110093

विषय सूची	पृष्ठ संख्या
1. सम्पादकीय...	2
2. समाज का भविष्य...	4
3. चीजों का वितरण...	5
4. विश्व महिला दिवस...	6
5. ताज होटल में भव्य समारोह...	7
6. मुलाकात के यादगार पल...	8
7. जल ही जीवन है...	9
8. डॉ. हर्ष वर्धन...	10
9. शपथ विधि समारोह...	11
10. शुद्ध जल की व्यवस्था...	12
11. 300 बच्चों को सेवा प्रदान ...	13
12. अक्षय तृतीया का विशेष महत्व:...	14
13. पर्यावरण सुरक्षा का संदेश...	15
14. विभिन्न कार्यक्रम आयोजित	16
15. जैन रोजगार क्लासेस...	17

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

अगर कोई आपकी निन्दा करे तो प्रसन्न होना चाहिए क्योंकि वह निन्दा करके हमारे पाप अपने ऊपर ले रहा है।

ग्रीस देश के इतिहास की घटना है। कहा जाता है कि भारतवर्ष के समान ही ग्रीस देश भी किसी समय विद्वानों तथा दार्शनिकों की जन्मभूमि रहा है। प्राचीनकाल में वहाँ एक विद्वान् संत हुए जिनका नाम था लाइकरगस। उन्हें कर्त्व्य से बड़ा प्रेम था। अतः वे परम सेवाभावी तथा सच्चे कर्मनिष्ठ विद्वान कहलाते थे। दीन–दुःखी, असहाय और पीड़ित की सेवा करना उनके जीवन का मुख्य अंग था।

इस दुनिया में प्रायः अच्छे काम करने वालों की झूठी बातें बनाने वाले और उनकी निन्दा करने वाले बहुत लोग होते हैं। लाइकरगस भी इसका अपवाद नहीं थे। उनके सेवाकार्य की प्रशंसा सुनकर अनेक लोग उनसे ईर्ष्या करते थे और उनकी निन्दा करते थे।

लाइकरगस दुनिया की इस प्रवृत्ति से भली–भाँति वाकिफ थे कि जीवन में लोग अपने दुःख से इतने दुःखी नहीं होते, अपितु दूसरों का सुख न देख पाने से दुःखी रहते हैं। किसी का भला करना और उनके लिए मन से भला सोचना आसान है किन्तु दूसरों को भला करते हुए देख पाना बड़ा मुश्किल है। अतः लाइकरगस ने लोगों की कभी परवाह नहीं की। फलस्वरूप वे सदैव शान्त बने रहते और अपने सेवा कार्य में मग्न रहते थे।

एक व्यक्ति मानो हाथ धोकर ही लाइकरगस के पीछे पड़ गया था। वह उनकी खूब निन्दा–बुराई किया करता था। एक दिन अचानक लाइकरगस को मार्ग में चलते हुए वह व्यक्ति मिल गया। उनको देखते ही वह भड़क उठा तथा खूब अंटसंट अपशब्द बोलने लगा। जो मुँह में आता गया वह निरन्तर बोलता रहा। जी भरकर उसने अपने मन की भड़ास निकाली और उनकी खूब निन्दा की।

लाइकरगस शान्त भाव से अपने घर की ओर चलते रहे। चलते हुए न उन्होंने कोई प्रतिक्रिया की न नाराजगी दिखाई और न वे मुख से कुछ बोले । वे उसी प्रकार चलते रहे जैसे हाथी अपनी मस्ती से चलता है और कुत्ता भौंकता रहता है।

जब उनका घर आ गया और उस व्यक्ति की गालियाँ समाप्त नहीं हुईं तो उन्होंने बड़ी मृदुलता से कहा ''भाई! तुम ऐसा करो अब मेरे घर तक आ ही गए हो तो कुछ दिन हमारे अतिथि बनकर यहीं रह जाओ।'' लाइकरगस के वचन सुनकर वह निन्दक बड़ा खुश हो गया। उसने सोचा यह मौका बहुत अच्छा है, मैं मनमर्जी से इन्हें जली–कटी बातें सुनाता रहूँगा। अतः वह उनके घर ठहर गया।

एक दिन, दो दिन, तीन दिन लगातार वह उनकी निन्दा करता रहा किन्तु लाइकरगस का सेवा कार्य उसी शान्त भाव से चलता रहा। कहते हैं बुराई की उम्र अधिक नहीं होती और सच्चाई सर्वत्र अमर है। जैसे आग पानी से लड़ते–लड़ते स्वयं शान्त हो जाती है। ऐसे ही आखिर एक दिन लाइकरगस के निःस्वार्थ और सच्चे सेवाकार्यों को देखकर उस व्यक्ति का भी हृदय बदल गया। **उसे मन ही मन बड़ा पश्चाताप हो रहा था।** वह सोचने लगा ऐसे सहनशील और सेवाभावी सन्त के पास रहकर मुझे भी अपने जीवन में कुछ सुधार लाना चाहिए। यह सोचकर उसने लाइकरगस से प्रार्थना की ''श्रीमान् ! कृपा करके आप मुझे हमेशा के लिए अपने पास रख लीजिए। ''लाइकरगस ने सहज भाव से कहा– भाई! बड़ी खुशी से रहो किन्तु एक शर्त के साथ रहना पड़ेगा। यदि मेरी शर्त तुम्हें मान्य न हो तो मैं अब तुम्हें यहाँ रहने नहीं दूँगा।''

उसने फौरन कहा ''अब तो मैं आपकी हर शर्त को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना चाहता हूँ अतः आप जो भी कहेंगे मुझे मान्य होगा, बताइए क्या शर्त है आपकी ?''

लाइकरगस ने कहा– ''तुम मेरी जब कभी छोटी सी भी भूल देखो या मेरे सेवा–कार्य में तनिक सी भी शिथिलता पाओ तो तुरन्त मुझे बता देना। उस समय मेरी निन्दा अवश्य करना ताकि मैं अपने कर्त्तव्य से कभी विमुख न बनूँ और हर क्षण सजग रह सकूँ।''

यह सुनकर वह लाइकरगस के चरणों में गिर पड़ा और पश्चाताप के आँसू बहाते हुए बोला – आपने सन्त कबीर की उक्ति को सत्य चरितार्थ किया

''नन्दक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना निर्मल करे सुभाय॥''

-धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

– डरने वालों को नहीं मिलता कुछ जिन्दगी में
लड़ने वालों के कदमों में जहांन होता है
– जिनको अपने काम पर भरोसा होता है वो जॉव करते हैं और जिन्हें अपने आप पर भरोसा होता है वह बिजनेस करते हैं।
– हमें सदैव एक बात याद रखनी है
जन्म से पहले कोई था नहीं, मृत्यु के बाद हमारा कोई नहीं होगा।

समाज का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब नियमों एवं मर्यादाओं का पालन होगा

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसलिए उसके लिए सभी हितों में लोकहित सबसे पहले है। यदि उसके किसी कार्य से दूसरे का अहित या नुकसान हो रहा है तो उसे वह कार्य नहीं करना चाहिए। मनुष्य को कभी स्वार्थी नहीं होना चाहिए, बल्कि हमेशा यही मानना चाहिए कि दूसरों के हित में ही उसका अपना हित है। जब व्यक्ति दूसरों के हितों की रक्षा करेगा तभी दूसरे भी उसके हित की रक्षा करेंगे। जिस समाज में ऐसे लोग निवास करते हैं वही समाज उन्नति करता है। जहां स्वार्थी और सिर्फ अपना हित चाहने वाले लोग रहते हैं वह समाज कभी प्रगति नहीं कर सकता। समाज ऐसे व्यक्तियों का समूह है जिसने अपने व्यक्तिगत स्वार्थों की सार्वजनिक रक्षा के लिए खुद को कुछ नियमों से बांध लिया है। इसकी विशेषता है कि यहाँ प्रत्येक व्यक्ति अपने हितों से बंधा है। व्यक्ति स्वभाव से स्वतंत्र भले ही हो, लेकिन समाज द्वारा बनाए गए नियमों का उसे पालन करना पड़ता है। इसलिए किसी **समाज का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब नियमों एवं मर्यादाओं का पालन होगा।** ऐसे में व्यक्ति को समाज में रहते हुए अपने हितों की रक्षा करते समय यह ध्यान रखना होगा कि किसी अन्य को कष्ट न पहुँचे। मनुष्य के आचरण में लोक परलोक का चिंतन शामिल होना चाहिए और ऐसा तभी संभव होगा जब मनुष्य स्वार्थी न हो। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि जगत की उन्नति में योगदान करने से वास्तव में हम लोग स्वयं उन्नति होते हैं। दुनिया में किसी को कुछ मिलता, लेकिन किसी को भी सब कुछ नहीं मिलता है। व्यक्ति को ज्यादा की चाह नहीं करनी चाहिए, बल्कि जो कुछ मिला है उससे ही संतोष करना चाहिए। मनुष्य को कभी किसी को दुःख नहीं पहुंचाना चाहिए। अगर संभव हो तो दूसरों को भी सुखी बनाना चाहिए। अगर हम किसी को सुख नहीं पहुंचा सकते तो उसे दुःख पहुंचाने का हमें कोई अधिकार नहीं है। धर्म का मूल दया है। भलाई करने से सबका भला होता है। सभी प्राणियों को सुख की अभिलाषा रहती है। मनुष्य वही है जो सबका भला करता है। उसका हृदय विशाल होता है। वह सभी को सुखी देखना चाहता है। अगर आपने अपने ज्ञान से किसी अज्ञानी की मदद नहीं की किसी रोगी का उपचार नहीं किया, किसी भटके राही को सही रास्ता नहीं दिखाया तो आपका ज्ञान अर्जित करना व्यर्थ हो जाता है। वास्तव में परोपकार और लोकहित में कार्य करना ही असल मायने में ईश्वर की सेवा करना है।

-डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद द्वारा कारागृह में जरूरत मंद बच्चों के लिए कपड़े, फल, बिस्कुटस, फ्रूटी, आदि चीजों का वितरण किया गया।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मुरादाबाद संभाग द्वारा जिला कारागृह में बच्चों को कपड़े, फल,बिस्कुटस,फ्रूटी, आदि चीजें वितरित किये गए। हमको पता लगा कि वहां पर काफी बच्चों के पास कपड़ों की आवश्यकता है तो हमने जरूरत मंद बच्चों के लिए काफी मात्रा में नए और पुराने कपड़े दे कर मदद की।जेलर साहब भी बहुत खुश हुए।

– शिखा जैन प्रान्तीय अध्यक्ष महिला महासमिति मुरादाबाद

दो बेटियां गोद ली

श्री दिगंबर जैन महासमिति की प्रान्तीय अध्यक्ष (महिला महासमिति) श्रीमती शिखा जैन ने अवगत कराया कि हमने दो बेटियां गोद ली हैं जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत अधिक दयनीय है। पढ़ाई में बहुत होशियार हैं। मगर स्कूल कोर्स नहीं होने के कारण पढ़ने में असमर्थ थीं, लेकिन आज खुशी से रो पड़ीं बोली आपकी मदद से अच्छे से पढ़ सकते हैं

– शिखा जैन, प्रान्तीय अध्यक्ष

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति धार के तत्वावधान में विश्व महिला दिवस सम्पन्न

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति धार संभाग द्वारा विश्व महिला दिवस के उपलक्ष में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन आयोजित किया गया कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्रीमती मंजू अजमेरा एवं मध्यांचल अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोगानी मध्यांचल महामंत्री श्रीमती ममता गंगवाल उपस्थितं थे ! जिनकी उपस्थिति ने हमारा हौसला वर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य प्रभावशाली वक्ता के रूप में माला ठाकुर दीदी ने संस्कार और आज के समय में महिलाओं की भूमिका पर भाषण दिया साथ ही महिलाओं की स्वास्थ से जुड़ी समस्याओं पर डॉ रितु एस. हरिप्रिया ने बहुत अच्छे से समझाया एवं एएसपी रचना भदौरिया और धार में ही पदस्थ श्रीमती हर्षा रूनवाल (जिला उपभोक्ता फोरम जज) का सम्मान किया!

— ममता गंगवाल मध्यांचल महामंत्री

दुबई ताज होटल के भव्य समारोह में डॉ मणीन्द्र जैन को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एशियन अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन डॉ मणीन्द्र जैन सऊदी अरब में मुस्लिम वर्ल्ड लीग के अध्यक्ष एवं क्राउन प्रिंस के सलाहकार मोहम्मद अब्दुल करीम अलीशा जी से उनके पैलेस में मिले तथा दोनों देशों भारत और सऊदी अरब के बीच में जो सबंध प्रधानमंत्री मोदी जी की पहल के कारण मजबूत हो रहे हैं उस पर चर्चा की गई। उसके पश्चात डॉ मणीन्द्र जैन दुबई में ताज होटल में एक भव्य समारोह में वहां के किंग के भाई शेख नहयान बिन मबारक अल–नहयान के साथ में अवॉर्ड फंक्शन में शामिल हुए। जिसमें दुबई के प्रमुख लोग उपस्थित थे। वहां डॉ जैन को अरब और एशिया के देशों के बीच में संबंध बढ़ाने के लिए अवार्ड देकर के सम्मानित किया गया। श्री नितिन जी Dy Consulate General of india in Dubai, विवेक ओबेरॉय जो हमारे देश के एक्टर हैं , GBS के चेयरमैन चन्द शेखर जी, डॉ देव सोलंकी जी आदि भी कार्यक्रम में शामिल थे। डॉ मणीन्द्र जैन ने डॉ सहित्य चतुर्वेदी FCA अजमल group को एशियन अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स का जोनल डायरेक्टर अप्वॉइंट किया तथा उन्हें जीसीसी कंट्रीज में रीजनल डायरेक्टर्स अप्वॉइंट करने की अथॉरिटी का पत्र प्रदान किया। जिसकी सभी उपस्थित सज्जनों ने सर्वसम्मति से ताली बजाकर के खुशी जाहिर की। अपनी उद्बोधन में डॉ जैन ने बताया कि किस प्रकार 53 देशों के सदस्य गण मिलकर के आपस में व्यापार कर सकते हैं तथा एक दूसरे की तथा देशों की आर्थिक उन्नति में सहायता कर सकते हैं। कैबिनेट मंत्री शाही परिवार से शेख नहयान ने भी अपनी स्पीच में भारत के और यूएई के संबंधों के बारे में चर्चा की तथा खुशी जाहिर की। विदित है कि डॉक्टर जैन पूर्व विदेश राज्य मंत्री श्री कृष्णा राव के पश्चात एशियन अरब चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन अप्वॉइंट किए गए हैं।

-धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एशियन अरब चैंबर आफ कॉमर्स के चेयरमेन डॉ मणीन्द्र जैन तथा साउदी अरब में मुसलिम बर्ल्ड लीग के अध्यक्ष एवं क्राउन प्रिंस के सलाहाकार मौहम्मद अब्दुल करीम अलीशा जी से उनके पैलेस में मुलाकात के यादगार पल।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति संभाग गुना के तत्वावधान में आयोजित ''जल ही जीवन है'' के कार्यक्रम की झलकियाँ

– अपने कर्मों के दोषी तुम स्वयं हो, दूसरा कोई नहीं,
यह बार–बार दोहराना।
– कर्म मैंने ही बाँधे हैं उसे मुझे ही भोगना है।

सत्यमेव जयते

डॉ. हर्ष वर्धन

सांसद- लोकसभा चाँदनी चौक, दिल्ली
पूर्व केंद्रीय मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार
पूर्व चेयरमैन, कार्यकारी बोर्ड, विश्व स्वास्थ्य संगठन

11 मई, 2024

प्रिय डॉ. मणिन्द्र जी,

जन्म दिन के शुभ अवसर पर हृदय की गहराइयों से मेरी बधाई एवं शुभकामनाएं स्वीकार करें।

इस जगत का प्रत्येक जीव एक शाश्वत पथिक है। जीवन के लम्बे सफर में हर पग और हर क्षण की अपनी महत्ता एवं अनुभूति है। विविधता भरी अनुभूतियां ही व्यक्ति को अनुभवशील बनाती हैं और जीवन किस तरह सार्थक हो सकता है, हमें सिखाती हैं।

हमारे ऋषियों-महर्षियों ने मानव जीवन को सबसे बहुमूल्य माना है। शास्त्र हमें यही संदेश देते हैं कि सही अर्थों में मानव जीवन की सार्थकता तभी है-जब व्यक्ति अपने जीवन को एक प्रज्वलित दीपक की तरह बनाये ताकि उसके जीवन का प्रकाश उस अंधेरे तक पहुंच सके जहां कभी प्रकाश पहुंचा ही न हो, जब हृदय इतना विशाल हो जाए कि उसमें करूणा व परहित की भावना भर जाए, एक इंसान के आँसू को पोछने के लिए इंसानियत का हाथ निःसंकोच, निःस्वार्थ एवं निःश्छल भाव से आगे बढ़ जाए, जब हमारे द्वारा किये गये अच्छे कार्य, बरते गये अच्छे व्यवहार एवं अनुसरण किये गये अच्छे मार्ग हमारी आने वाली पीढ़ियों को इतनी प्रेरणा दे सकें कि वे अपने भारत को अतीत से भी गौरवशाली राष्ट्र बनाने के संकल्प को ले सकें तथा भारत को विश्वगुरू बनाने के स्वप्न को साकार करने के लिए अपना योगदान देने हेतु तत्पर हो सकें। इन्हीं गुणों से अभिभूत आपका जीवन है। परहित की भावना आपमें भरी हुई है। जीवन मूल्यों और मानवता को आप अपने हृदय में संजोये हुए हैं। आपका जीवन धन्य है।

मेरी ईश्वर से कामना है कि आपको लम्बी आयु एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(डॉ. हर्ष वर्धन)

डॉ. मणिन्द्र कुमार जैन
नई दिल्ली

कार्यालय एवं निवास : 28, अकबर रोड, नई दिल्ली-110011
Tel : +91-11-23794649 • E-mail : drhrshvardhan@gmail.com
@drharshvardhan @drharshvardhanofficial @drharshvardhanofficial
www.drharshvardhan.com

शपथ विधि समारोह

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति मध्यांचल के इंदौर संभाग पश्चिम क्षेत्र का शपथ विधि समारोह 27 मार्च 2024 को संतोष सभागृह चरक हॉस्पिटल के पास इंदौर में सानंद संपन्न हुआ!!

शपथ अधिकारी के रूप में हमारी राष्ट्रीय कार्याअध्यक्ष एवं मध्यांचल संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती मंजू अजमेरा, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री हॅसमुखजी गांधी शिरोमणि संरक्षक श्रीमती पुष्पा जी कासलीवाल ,पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विजया पहाड़िया, परामर्शदाता श्रीमती पुष्पाजी पांड्या मध्यांचल अध्यक्ष श्रीमती संगीता सोगानी मंत्री श्रीमती ममता गंगवाल की उपस्थिति में संपन्न हुआ!! नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती अनीताजी बडजात्या एवं उनकी पूरी टीम को बधाइयां प्रेषित की!

-श्रीमती ममता गंगवाल, मध्यांचल महामंत्री

समाधि दिवस

जून में 3 तारीख को मुनि श्री प्रणम्य सागर जी का नगर प्रवेश बहुत ही धूमधाम वा गाजे बाजे से करवाया गया 4 को नेमीनाथ विधान का अयोजन किया गया 5 को भगवान शांतिनाथ जी का मोक्ष कल्याणक महोत्सव महाराज जी के सानिध्य में मनाया गया इसी दिन लाडू सजाओ प्रतियोगिता रखी गई व बहनों को प्रथम द्वितीय एवं तृतिंय पारितोषक भी प्रदान किए गए।

6 को आचार्य ज्ञानसागर के समाधि दिवस पर सुबह पूजन तथा शाम को नृत्य आरती प्रतियोगिता रखी गई।

ग्रीष्म ऋतु में पशु पक्षियों के लिए कीजिए शुद्ध जल की व्यवस्था

श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं **श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर** के संयुक्त तत्वावधान में महावीर सर्कल सुभाष उद्यान के पास स्थापित आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की दीक्षा स्थली कीर्ति स्तंभ, सोनी नगर स्थित 1008 भगवान आदिनाथ जिनालय, सुभाष उद्यान के बाहर एवं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के निवास स्थान गणपति विहार कॉलोनी राम भवन, लोहगल रोड पर जीवदया के अंतर्गत आमजन एवं जीवदया प्रेमियों को निःशुल्क परिण्डों का वितरण किया गया

श्री दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य व अजमेर के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के नेतृत्व में समाजसेवी श्रीमती मोहिनी देवी गंगवाल(श्री मनोकामना ज्वेलर्स),संरक्षक राकेश पालीवाल के सौजन्य से 200 व्यक्तियों को परिण्डो का वितरण करके इसमें साफ स्वच्छ जल भरकर छत पर बालकानी पर अथवा घर की मुंडेर पर रखकर नियमित रूप से उपयोग में लेने की शपथ दिलाई गई जन संपर्क अधिकारी संजय जैन ने बताया कि **श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर** समय समय पर धार्मिक सामाजिक कार्य के साथ जीवदया के अंतर्गत सेवा देने के लिए जिनमें विशेषकर गोवंश के लिए हरा चारा ,दलिया,गुड़ के साथ पक्षियों के लिए शुद्ध जल हेतु परिण्डों आदि की व्यवस्था में अग्रणी स्थान रखे हुए हैं

इस अवसर पर अध्यक्ष अतुल पाटनी,राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी,कोषाध्यक्ष श्रेयांस पाटनी, महामंत्री कमल गंगवाल,प्रवक्ता संजय जैन,विजय पांड्या,महेंद्र काला वैशाली नगर इकाई अध्यक्ष शांता काला,राकेश पाटनी,मंजू पाटनी आदि ने वितरण कार्य में सहयोग किया

— मधु पाटनी, अजमेर

आओ हम सब मिलकर नन्हे मुन्ने बच्चों तक सेवा पहुंचाए - मधु पाटनी भोपो का बाड़ा के स्लम एरिया में द्वारा 300 बच्चों को सेवा प्रदान कर शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं **युवा महिला संभाग अजमेर** की गोधा गवाड़ी के तत्वावधान में समिति संरक्षक श्री राकेश पालीवाल, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी, इकाई अध्यक्ष शशि जैन एवं अन्य समिति सदस्याओं के सहयोग से भोपो का बाड़ा के स्लम एरिया में जीवन यापन कर रहे परिवार के तीन सौ से अधिक बच्चों को नए वस्त्र में टी शर्ट, पेंट हाफ पेंट, खाद्य सामग्री में फल, टाफी एवं बिस्किट पैकेट्स आदि का वितरण किया गया। इकाई अध्यक्ष शशि जैन ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक **श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के संरक्षक अतुल पाटनी के संयोजन में एवं समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के मुख्य आथित्य में** सामाजिक सरोकार के अंतर्गत सेवा को सम्मान के साथ जरूरतमंदो को वितरण की गई।

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि श्री दिगंबर जैन महासमिति का मुख्य उद्देश्य धार्मिक कार्यों के साथ सामाजिक सरोकार के कार्य को वरीयता से विशेषकर शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षित होने वाले अभावग्रस्त बच्ची के लिए सेवा सहयोग करने का रहा है। श्रीमती पाटनी ने समिति सदस्याओं के साथ अन्य भामाशाहों से अनुरोध किया कि ऐसे जरूरतमंद बच्चों की सेवा हेतु हमें तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी, युवा महिला प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी **श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर** के अध्यक्ष अतुल पाटनी, तेज सिंह नाथावत, स्थानीय पार्षद नरेंद्र तुनवाल (निकी) एवं क्षेत्र के प्रबुद्धजन मोजूद रहे इससे पूर्व पार्षद एवं स्थानीय सामाजिक कार्य कर्ताओं ने मधु पाटनी, शशि जैन एवं समिति सदस्याओं का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। अंत में पार्षद ने सभी सेवा सहयोगी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

— मधु पाटनी, अजमेर

जैन धर्म में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व: शिखा जैन

श्री आदिनाथ भगवान को विहार करते हुए 6 माह बीत जाने के उपरांत भी आहार नहीं हो सका क्योंकि उस समय लोग जैन तीर्थंकर के आहार की विधि नहीं जानते थे। प्रांतीय अध्यक्ष शिखा जैन के मुताबिक तब हस्तिनापुर के राजा श्रेयांश को स्वप्न हुआ तब उन्होंने गन्ने के रस का पाणना (प्रथम आहार) बैशाख शुक्ल तृतीया यानी आज (अक्षय तृतीया) के शुभ दिन कराया गया। उसी दिन से यह दिन पावन पर्व के रूप में मनाया जाता है। इसी पावन दिन पर **श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति** के द्वारा गांधी नगर में गन्ने के रस का वितरण किया गया। जिसमें महासमिति की सभी बहनों का विशेष सहयोग रहा।

रेली निकाल कर दिया पर्यावरण सुरक्षा का संदेश

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस एवं जैन तीर्थंकर 1008 श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म तप एवं मोक्ष कल्याणक के अवसर पर अजमेर संभाग की सभी इकाईयो द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया एवं रैली निकाल कर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया

युवा महिला संभाग अध्यक्ष सोनिका भैंसा, मंत्री भावना बाकलीवाल ने बताया कि समिति की आनंद नगर इकाई, पंचशील नगर इकाई ,आगरा गेट इकाई ,पालबीचला इकाई, सरावगी मोहल्ला इकाई आदि द्वारा पौधे रोपकर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का संदेश दिया गया गया जिससे आने वाली वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे रोपे जा सकें।

समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं मंत्री सरला लुहाड़िया ने बताया कि आने वाले समय में समिति द्वारा अजमेर ही नहीं वरन अजमेर के अंचल में सघन वृक्षा रोपण के कार्य को हाथ में लेकर अजमेर जिले को हरा भरा करने के प्रयास किए जाएंगे इस अवसर पर आगरा गेट इकाई अंजू गोधा, मधु काला पंचशील नगर इकाई की प्रीति गदिया, नवल छाबड़ा, मधु भैंसा,मनीषा गदिया,मधु बिलाला, पाल बिछला कमलेश जैन सुधा पालीवाल, सरावगी मोहल्ला इकाई की रिंकू कासलीवाल आनंद नगर इकाई से मंजू ठोलिया, सरोज गदिया, अलका लुहाड़िया सहित समिति की 100 से अधिक सदस्याओं ने सहभागिता निभाई

– मधु पाटनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अजमेर

श्री दिगम्बर जैन महासमिति छतरपुर संभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

अप्रैल में श्री अनंतनाथ जी, अरहनाथ जी, अजितनाथ जी,संभवनाथ जी सुमतिनाथ जी भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव को बहुत ही धूमधाम से उत्साह पूर्वक मनाया सुबह की बेला में पूजा,विधान लाडू समर्पण व संध्या को नृत्य आरती प्रश्नमंच आदि कार्यक्रम संपन्न हुए 3 अप्रैल आदिनाथ जयंती से 21अप्रैल महावीर जयंती तक घर घर मंगलाचार में प्रतिदिन भक्तामर स्तोत्र पाठ व भजनावली कार्यक्रम संपन्न हुआ। महावीर जयंती पर सुबह शोभा यात्रा निकाली वा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए सभी कार्यक्रमों में सभी बहनों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता की।

मई में भगवान नमिनाथ जी, कुंथुनाथ जी अभिनंदन नाथ जी भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया 13 मई को मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज जी के सानिध्य में अर्हं योग शिविर मनाया गया, जिसमें जैन अजैन सभी ने बढ़ चढ़कर सहभागिता दर्ज की व 11 से 19 मई तक सांगानेर के भैया जी द्वारा नगर तीन जगह श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मंडल की बहनों व पाठशाला के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया अंतिम दिन सभी को प्रमाण पत्र व उपहारों से नवाजा गया।

11 मई को जीवदया के अवसर पर पक्षियों को दाना पानी की व्यवस्था और पशुओं को गौशाला जाकर सभी गायों को चुनी भूसी गुड़ सब्जियां और घास की व्यवस्था की।

JAIN ROJGAR CLASSES
SSC CHSL 2024
1 MONTH CAPSULE COURSE
मात्र एक महीनें में CHSL की सम्पूर्ण तैयारी
999
49₹ONLY
OBAIDUR RAHMAN SIR
DR. MANINDAR JAIN
R K JHA SIR
REGISTRATION START FROM
5 JUNE 2024
V K SINHA SIR
S K THAKUR SIR
LAL JI SIR
CLASSES START FROM
8 JUNE 2024
HELP LINE NO :- 8877405060,9810650108
Follow us On /Jain Rojgar Classes

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

अखिल भारतवर्षीय शास्त्री परिषद का प्रशिक्षण शिविर

अखिल भारतवर्षीय शास्त्री परिषद का प्रशिक्षण शिविर, चुनाव एवं सम्मान समारोह गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी के सानिध्य में केशवराय पाटन में हुए अधिवेशन में भव्यता पूर्ण संपन्न हुआ।

श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एशियन अरब चेंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन डॉ मणीन्द्र जैन एवं पांचवीं बार निर्विरोध नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ श्रेयांश जी तथा क्षेत्रीय विधायक ने मिलकर के देश के डेढ़ सौ से ज्यादा आए हुए विद्वानों में से इस वर्ष चयनित किए गए 10 विद्वानों को प्रशस्ति पत्र तथा नगद राशि देकर सम्मानित किया। अपने उद्‌बोधन में **डॉ मणीन्द्र जैन ने विद्वानों से आग्रह किया** कि वह अब मछली को तैरना न सिखा करके अर्थात सिर्फ जैनों को ही सत्य अहिंसा की बातें न बता करके, जैन धर्म की प्रमुख मूल शिक्षाओं को देश और दुनिया में अच्छे से पहुंचाएं। कार्यक्रम में श्रीमती अलका जैन धर्मपत्नी डॉ मणीन्द्र जैन ने गुरु महिमा का भजन सुना करके वातावरण को भक्तिमय बनाया। श्रीमती अलका जैन और डॉ मणीन्द्र जैन का समाज, धर्म और देश का गौरव बढ़ाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए समाज श्रेष्ठियों एवं विद्वानों के द्वारा सम्मान किया गया।

–सुनील शास्त्री, टीकमगढ़

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600